डॉ० उमेश मल्लिक
इतिहास विभाग

अरबों का राजस्व व्यवस्था

अरबों ने सिन्ध में लूटपाट के माध्यम से अपार धन राशि प्राप्त कर ली थी। अरबों ने पुराने कर को यथावत कायम रखा। परन्तु उनके द्वारा कुछ नये कर भी लगाये गये। जजिया कर के तीन दर थे — 48 दरहम, 24 दरहम, और 12 दरहम। दूसरा भूमि कर या खिराज था। उपज के आधार पर कर की दर निर्धारित की जाती थी। सिंचाई वाले क्षेत्र में गेहूँ और जौ की फसल का 2/5 भाग भूमि कर के रूप में ली जाती थी। असिंचित भूमि पर 1/4 भाग कर लिया जाता था। खजूर और अंगूर के उत्पादन पर कर लगाया जाता था। शराब मोतियों पर 1/5 भाग कर निर्धारित किया गया था। कुल मिलाकर सिन्ध और मुल्तान से अरबों के प्रति वर्ष 1/1/2 करोड़ दरहम अथवा 2.70,000 पौंड की आय होती थी। इलियट ने लिखा है कि "धीरे-धीरे करो की संख्या इतनी बढ़ गयी कि स्वामी और मजदूर दोनो ही उन्हें देने में असमर्थ हो गये। इसलिए शासन में परिवर्तन होना स्वभाविक था।

Scanned with CamScanner